IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 8, April 2023

शासन द्वारा चलायी जा रही योजना का कृषि विकास पर प्रभाव (समाजशास्त्री अध्ययन सीधी जिले के विशेष सन्दर्भ में)

Dr. Madhulika Shrivastava
Professor, Department of Sociology
Government Thakur Ranmat Singh College, Rewa, (M.P), India

सारांश

कोरोनोकाल में केवल कृषि की ही सभी गतिविधियां चलती रही, क्योकि इससे सम्पूर्ण मानव जाति का जीवन जुड़ा है।सही कहा गया है। कि जान है तो जहान है। फैक्टरियां बन्द, कारखाने बन्द, सस्थान बन्द यहां तक कि भगवान के दरवाजे भी बन्द रहे, लेकिन खेती किसानी खुली रही, दूध वाले, सब्जी वाले, दवाई वाले आदि चालू रहे। कृषि कार्य करने वाले हमारे महान कृषक भाई लगातार खेतों में काम करते रहे हैं पर सवाल आता है किसके लिए? तो जवाब बनता है हम सबकेलिए। कृषि के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। ऐसे में बात आती है कि कृषि को मजबूत कैसे बनाया जाए। देश की लगभग 60 प्रतिशत जनसख्या अपनी आजीविका हेतु कृषि पर ही निर्भर है कृषि की सकल घरेलू उत्पादन में भागीदारी लगभग 22 प्रतिशत है।

मुख्य शब्द– योजना, कृषि विकास प्रभाव, एवं परिवर्तन।

संदर्भ ग्रंथ सूची:–

1. कृषि अर्थशास्त्र– डॉ. जयप्रकाश मिश्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा।
2. दैनिक भास्कर, जबलपुर, दिनांक 3 जून 2020, पृ. 8
3. कृषक वन्दना, सितम्बर 2020 पत्रिका, आधारताल, जबलपुर।
4. बदलता ग्रामीण परिवेश– अलोने चन्द्रशेखर इंडियन स्टीम्स रिसर्च जर्नरल, जनवरी 2015
5. कृषि विकास और कल्याण – डॉ. वीरेन्द्र कुमार, प्रतियोगिता दर्पण, दिसम्बर 2019 पृ. 95
6. भारतीय आर्थिक नीति– कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल (म.प्र.)।